

श्री हनुमान अष्टोत्तर शतनामावली: 108 नाम

- | | |
|----------------------------------|-------------------------------------|
| 1 ॐ आज्ञनेयाय नमः। | 18 ॐ सर्वलोकचारिणे नमः। |
| 2 ॐ महावीराय नमः। | 19 ॐ मनोजवाय नमः। |
| 3 ॐ हनूमते नमः। | 20 ॐ पारिजातद्रुमूलस्थाय नमः। |
| 4 ॐ मारुतात्मजाय नमः। | 21 ॐ सर्वमन्त्रस्वरूपवते नमः। |
| 5 ॐ तत्त्वज्ञानप्रदाय नमः। | 22 ॐ सर्वतन्त्रस्वरूपिणे नमः। |
| 6 ॐ सीतादेवीमुद्राप्रदायकाय नमः। | 23 ॐ सर्वयन्त्रात्मकाय नमः। |
| 7 ॐ अशोकवनिकाच्छेत्रे नमः। | 24 ॐ कपीश्वराय नमः। |
| 8 ॐ सर्वमायाविभञ्जनाय नमः। | 25 ॐ महाकायाय नमः। |
| 9 ॐ सर्वबन्धविमोक्त्रे नमः। | 26 ॐ सर्वरोगहराय नमः। |
| 10 ॐ रक्षोविध्वंसकारकाय नमः। | 27 ॐ प्रभवे नमः। |
| 11 ॐ परविद्यापरिहाराय नमः। | 28 ॐ बलसिद्धिकराय नमः। |
| 12 ॐ परशौर्यविनाशनाय नमः। | 29 ॐ सर्वविद्यासम्पत्प्रदायकाय नमः। |
| 13 ॐ परमन्त्रनिराकर्त्रे नमः। | 30 ॐ कपिसेनानायकाय नमः। |
| 14 ॐ परयन्त्रप्रभेदकाय नमः। | 31 ॐ भविष्यच्चतुराननाय नमः। |
| 15 ॐ सर्वग्रहविनाशिने नमः। | 32 ॐ कुमारब्रह्मचारिणे नमः। |
| 16 ॐ भीमसेनसहायकृते नमः। | 33 ॐ रत्नकुण्डलदीप्तिमते नमः। |
| 17 ॐ सर्वदुःखहराय नमः। | |

34 ॐ
चञ्चलद्वालसन्नद्धलम्बमानशिखोज्ज्वला
य नमः।

35 ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः।

36 ॐ महाबलपराक्रमाय नमः।

37 ॐ कारागृहविमोक्त्रे नमः।

38 ॐ शृङ्खलाबन्धमोचकाय नमः।

39 ॐ सागरोत्तारकाय नमः।

40 ॐ प्राज्ञाय नमः।

41 ॐ रामदूताय नमः।

42 ॐ प्रतापवते नमः।

43 ॐ वानराय नमः।

44 ॐ केसरिसुताय नमः।

45 ॐ सीताशोकनिवारकाय नमः।

46 ॐ अञ्जनागर्भसम्भूताय नमः।

47 ॐ बालार्कसदृशाननाय नमः।

48 ॐ विभीषणप्रियकराय नमः।

49 ॐ दशग्रीवकुलान्तकाय नमः।

50 ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः।

51 ॐ वज्रकायाय नमः।

52 ॐ महाद्युतये नमः।

53 ॐ चिरञ्जीविने नमः।

54 ॐ रामभक्ताय नमः।

55 ॐ दैत्यकार्यविघातकाय नमः।

56 ॐ अक्षहन्त्रे नमः।

57 ॐ काञ्चनाभाय नमः।

58 ॐ पञ्चवक्त्राय नमः।

59 ॐ महातपसे नमः।

60 ॐ लङ्किणीभञ्जनाय नमः।

61 ॐ श्रीमते नमः।

62 ॐ सिंहिकाप्राणभञ्जनाय नमः।

63 ॐ गन्धमादनशैलस्थाय नमः।

64 ॐ लङ्कापुरविदाहकाय नमः।

65 ॐ सुग्रीवसचिवाय नमः।

66 ॐ धीराय नमः।

67 ॐ शूराय नमः।

68 ॐ दैत्यकुलान्तकाय नमः।

69 ॐ सुरार्चिताय नमः।

70 ॐ महातेजसे नमः।

- 71 ॐ रामचूडामणिप्रदाय नमः।
- 72 ॐ कामरूपिणे नमः।
- 73 ॐ पिङ्गलाक्षाय नमः।
- 74 ॐ वार्धिमैनाकपूजिताय नमः।
- 75 ॐ कबलीकृतमार्ताण्डमण्डलाय नमः।
- 76 ॐ विजितेन्द्रियाय नमः।
- 77 ॐ रामसुग्रीवसन्धात्रे नमः।
- 78 ॐ महारावणमर्दनाय नमः।
- 79 ॐ स्फटिकाभाय नमः।
- 80 ॐ वागधीशाय नमः।
- 81 ॐ नवव्याकृतिपण्डिताय नमः।
- 82 ॐ चतुर्बाहवे नमः।
- 83 ॐ दीनबन्धवे नमः।
- 84 ॐ महात्मने नमः।
- 85 ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
- 86 ॐ सञ्जीवननगाहर्त्रे नमः।
- 87 ॐ शुचये नमः।
- 88 ॐ वाग्मिने नमः।
- 89 ॐ दृढव्रताय नमः।
- 90 ॐ कालनेमिप्रमथनाय नमः।
- 91 ॐ हरिमर्कटमर्कटाय नमः।
- 92 ॐ दान्ताय नमः।
- 93 ॐ शान्ताय नमः।
- 94 ॐ प्रसन्नात्मने नमः।
- 95 ॐ शतकण्ठमदापहृते नमः।
- 96 ॐ योगिने नमः।
- 97 ॐ रामकथालोलाय नमः।
- 98 ॐ सीतान्वेषणपण्डिताय नमः।
- 99 ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः।
- 100 ॐ वज्रनखाय नमः।
- 101 ॐ रुद्रवीर्यसमुद्भवाय नमः।
- 102 ॐ
इन्द्रजित्प्रहितामोघब्रह्मास्त्रविनिवारका
य नमः।
- 103 ॐ पार्थध्वजाग्रसंवासिने नमः।
- 104 ॐ शरपञ्चुरभेदकाय नमः।
- 105 ॐ दशबाहवे नमः।
- 106 ॐ लोकपूज्याय नमः।
- 107 ॐ जाम्बवत्प्रीतिवर्धनाय नमः।

108 ॐ

सीतासमेतश्रीरामपादसेवाधुरन्धराय
नमः।

अर्थ, स्रोत और दूसरी आरती-चालीसा: sanatanbodh.in/stotra/hanuman-108-naam/